प्रतिदर्श प्रश्न पत्र 4 (2019–20)

हिन्दी–ब (कोड–85)

कक्षा– 9

निर्धारित समय– 3 घंटे अधिकतम अंक– 80

सामान्य निर्देशः–

1. इस प्रश्न–पत्र में चार खंड हैं– क, ख, ग और घ।
2. सभी खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
3. यथासंभव प्रत्येक खंड के प्रश्नों के उत्तर क्रम से लिखिए।

खण्ड–क (अपठित अंश) 15

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 9

डॉ कलाम दृढ़ इच्छा शक्ति वाले वैज्ञानिक थे। वे भारत को विकसित देश बनाने का सपना संजोए हुए थे। उनका मानना था कि भारतवासियों को व्यापक दृष्टि से सोचना चाहिए। हमें सपने देखने चाहिए। सपनों को विचारों में बदलना चाहिए। विचारों को कार्यवाही के माध्यम से हकीकत में बदलना चाहिए। डॉ. कलाम तीसरे ऐसे वैज्ञानिक हैं, जिन्हें भारत का सर्वोच्च सम्मान 'भारत–रत्न' दिया गया। उन्हें 'पद्म भूषण' तथा 'पद्म विभूषण' से भी सम्मानित किया गया। भारत को उन पर गर्व है। इतनी उपलब्धियाँ प्राप्त करने के बावजूद अहंकार कलाम जी को छू तक नहीं पाया। वे सहज स्वभाव के एक भावुक व्यक्ति थे। उन्हें कविताएँ लिखना, वीणा बजाना तथा बच्चों के साथ रहना पसन्द था। वे सादा जीवन और उच्च विचार में विश्वास रखते थे। कलाम साहब का जीवन हम सभी के लिए प्रेरणादायक है। कलामजी तपस्या और कर्मठता की प्रतिमूर्ति थे। राष्ट्रपति पद की शपथ लेते समय दिए गए भाषण में उन्होंने कबीरदास जी के इस दोहे का उल्लेख किया था– 'काल करे सो आज कर, आज करे सो अब।'

1. डॉ. कलाम ने भारत को क्या बनाने का सपना देखा था? 2

उत्तर : डॉ. कलाम ने भारत को विकसित देश बनाने का सपना देखा था। उनका मानना था कि भारतवासियों को व्यापक दृष्टि से सोचना चाहिए।

2. डॉ. कलाम किस प्रवृत्ति के व्यक्ति थे? 2

उत्तर : डॉ. कलाम सहज स्वभाव के भावुक व्यक्ति थे।

3. डॉ. कलाम को क्या–क्या बेहद पसन्द था? 2

उत्तर : डॉ. कलाम को कविताएँ लिखना, वीणा बजाना तथा बच्चों के साथ रहना पसंद था।

4. डॉ. कलाम 'को किन–किन सम्मानों से सम्मानित किया गया? 2

उत्तर : डॉ. कलाम को 'भारत–रत्न', 'पद्म भूषण' एवं 'पद्म विभूषण' सम्मानों से सम्मानित किया गया।

5. गद्यांश का उचित शीर्षक दीजिए। 1

उत्तर : डॉ. कलाम।

2. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 6

मैं तूफानों में चलने का आदी हूँ।
तुम मत मेरी मंजिल आसान करो।
हैं फूल रोकते, काँटे मुझे चलाते,
मरूस्थल, पहाड़ चलने की चाह बढ़ाते,
सच कहता हूँ जब मुश्किलें ना होती हैं,
मेरे पग तब चलने में भी शर्माते,
मेरे संग चलने लगें हवाएँ जिससे,
तुम पथ के कण–कण को तूफान करो।
मैं तूफानों में चलने का आदी हूँ।
तुम मत मेरी मंजिल आसान करो।
फूलों से जग आसान नहीं होता है,
रुकने से पग गतिवान नहीं होता है,
अवरोध नहीं तो सम्भव नहीं प्रगति भी,
है नाश जहाँ निर्माण वहीं होता है,
मैं बसा सुकून नव–स्वर्ग "धरा" पर जिससे,
तुम मेरी हर बस्ती वीरान करो।

1. विनाश या निर्माण का परस्पर क्या संबंध है? 2

उत्तर : विनाश होने पर ही निर्माण होता है। विनाश के बाद ही निर्माण संभव है।

2. इस कविता से हमें क्या प्रेरणा मिलती है? 2

उत्तर : इस कविता से हमें यह प्रेरणा मिलती है कि हमें जीवन में आने वाली बाधाओं से घबराना नहीं चाहिए, उनका दृढ़तापूर्वक मुकाबला करना चाहिए।

3. 'अवरोध नहीं तो संभव नहीं प्रगति भी' पंक्ति का क्या आशय है? 2

उत्तर : पंक्ति का यह आशय है कि अगर अवरोध अर्थात् बाधा या रूकावट नहीं आती हैं तो प्रगति भी नहीं हो सकती अर्थात् अवरोध आने पर ही प्रगति होती है।

अथवा

कठिन ग्रीष्म की दोपहरी में हरी दूब पर लेटी।
थकी खेत में घास काट कर वह किसान की बेटी।।
उपजाती है अन्न खेत में कठिन परिश्रम करके।
सोता रहता गाँव किन्तु वह चल देती है तड़के।।
मुँह पर है मुस्कान किन्तु माथे पर तरल पसीना।
वह सिखलाती है इस जग को अपने बल पर जीना।।
रंगे नहीं नाखून, न है ओठों पर गहरी लाली।
बिता चुकी वह इसी खेत में मधुर उमरिया बाली।।
ऊपर है रसाल की छाया नीचे दूब हरी है।
लगता जैसे तरू के नीचे कविता सुप्त पड़ी है।।
पृथ्वी बोल रही–देखों, यह ही है मेरी बेटी।
मेरी सेवा करके थक कर मेरे ऊपर लेटी।।

1. किसान की बेटी का दोपहरी में हरी घास पर लेटने का क्या उद्देश्य है?

उत्तर : किसान की बेटी दोपहर को हरी घास पर इसलिए लेटी है क्योंकि खेत में घास काटकर थक गयी है। वह हरी घास पर आराम कर रही है।

2. आशय स्पष्ट कीजिए।
"मुँह पर है मुस्कान किंतु माथे पर तरल पसीना।
वह सिखलाती है इस जग को अपने बल पर जीना।।"

उत्तर : इस पंक्ति से यह आशय है कि किसान की बेटी परिश्रम करके थक गई जिससे उसके माथे पर पसीना आ गया है, किंतु फिर भी वह मुस्कुरा रही है। वह इस संसार को यह सिखा रही है कि हम सबको मेहनत करके आत्मनिर्भर होकर जीना चाहिए।

3. किसान की बेटी के प्रति पृथ्वी का कैसा व्यवहार है?

उत्तर : पृथ्वी का किसान की बेटी के प्रति बेटी जैसा व्यवहार है, क्योंकि किसान की बेटी अपनी मेहनत के द्वारा अन्न उपजाकर पृथ्वी को हरा–भरा और सुन्दर बना रही है। इसलिए पृथ्वी ने अपनी बेटी को उसकी सेवा से प्रसन्न होकर अपने ऊपर लिटा लिया है, जैसे बच्चा अपनी माँ के ऊपर लेट जाता है।

खण्ड–ख (व्यावहारिक व्याकरण) 15

3. निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्दों का वर्ण विच्छेद कीजिए। 2

ग्रामीण, प्रयत्न, पाठशाला।

उत्तर : ग्रामीण– ग् + र् + आ + म् +ई + ण् + अ,
प्रयत्न– प् + र् + अ + य् + अ + त् + न् + अ,
पाठशाला– प् + आ + ठ् + अ + श् + आ + ल् + आ

4.

1. निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्दों में उचित स्थान पर अनुनासिक का प्रयोग कीजिए। 1

तितलिया, आधी, लगड़ा।

उत्तर : तितलिया– तितलियाँ
आधी– आँधी
लगड़ा– लँगड़ा

2. निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्दों में उचित स्थान पर अनुस्वार का प्रयोग कीजिए। 1

सदेश, भडार, सयुक्त।

उत्तर : सदेश– संदेश
भडार– भंड़ार
सयुक्त– संयुक्त

5. निम्नलिखित में से किन्ही दो शब्दों में उचित स्थान पर नुक्ता का प्रयोग कीजिए। 1

कागज, हरफनमौला, खत।

उत्तर : कागज– कागज़
हरफनमौला– हरफ़नमौला
खत– ख़त

6.

1. निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्दों में उचित प्रत्यय पहचानकर लिखिए। 1

चालान, पालनहार, लिखने वाला।

उत्तर :

	मूल शब्द	प्रत्यय
1.	चाल	आन
2.	पालन	हार
3.	लिखना	वाला

2. निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्दों में उचित उपसर्ग पहचानकर लिखिए। 1

अवगुण, समकालिक, भरपेट।

उत्तर :

	उपसर्ग	मूलशब्द
1.	अव	गुण
2.	सम	कालिक
3.	भर	पेट

3. निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्दों में मूल शब्द के साथ जुड़े उपसर्ग और प्रत्यय को अलग कर लिखिए। 1

अभिमानी, परिपूर्णता, सुगंधित।

उत्तर :

	उपसर्ग	मूल शब्द	प्रत्यय
1.	अभि	मान	ई

	उपसर्ग	मूल शब्द	प्रत्यय
2.	परि	पूर्ण	ता
3.	सु	गंध	इत

7.

1. निम्नलिखित में से किन्हीं चार शब्दों में सही संधि–विच्छेद कीजिए। 4

वृक्षारोपण, कवीश, हितोपदेश, सदैव, निष्कलंक।

उत्तर : **वृक्षारोपण–** वृक्ष + आरोपण
कवीश– कवि + ईश
हितोपदेश– हित + उपदेश
सदैव– सदा + एव
निष्कलंक– निः + कलंक

2. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन वाक्यों में उचित विराम चिह्न का प्रयोग कीजिए। 3

1. अध्यक्ष महोदय अब हमारी बात भी सुनिए
2. क्या साकेत एक महाकाव्य है
3. तुलसीदास ने कहा राम नाम की महिमा अपार है
4. सूर्योदय हो गया अन्धकार न जाने कहाँ लुप्त हो गया

उत्तर :

1. अध्यक्ष महोदय! अब हमारी बात भी सुनिए।
2. क्या 'साकेत' एक महाकाव्य है?
3. तुलसीदास ने कहा, "राम नाम की महिमा अपार है।"
4. सूर्योदय हो गया; अन्धकार न जाने कहाँ लुप्त हो गया?

खण्ड–ग

(पाठ्य–पुस्तक एवं पूरक पाठ्य पुस्तक) 25

8. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए। 5

1. बुढ़िया के परिवार में कौन–कौन था और उनका गुजारा कैसे होता था? 2

उत्तर : बुढ़िया के परिवार में उसका बेटा, बेटे की वधू तथा पोता–पोती थे। उन सबका गुजारा खरबूजों की खेती करने और उन्हें बाजार में बेचने से होता था।

2. एक अच्छे अतिथि की क्या विशेषता होती है? 2

उत्तर : एक अच्छे अतिथि की यह विशेषता होती है कि वह यजमान के यहाँ एकाध दिन के लिए रूकता है, अधिक दिनों के लिए नहीं।

3. धर्म के व्यापार को रोकने के लिए क्या उद्योग होना चाहिए? 1

उत्तर : धर्म के व्यापार को रोकने के लिए साहस और दृढ़ता के साथ उसका विरोध होना चाहिए।

9. अच्छे आदमी की पहचान क्या है? 'धर्म की आड़' पाठ के आधार पर उत्तर लिखिए। 5

उत्तर : 'धर्म की आड़' पाठ में गणेश शंकर विद्यार्थी जी ने अपने विचार प्रकट किए हैं। वह कहते हैं कि अच्छे आदमी की पहचान है– उसका अच्छा आचरण। जो व्यक्ति अच्छा है, भला है, वह सबकी भलाई चाहता है, सबके कल्याण के लिए काम करता है। इसके विपरीत, जो धर्म के नाम पर, सम्प्रदाय के नाम पर लोगों को आपस में लड़वाता है, उन्हें एक–दूसरे से अलग करता है वह धार्मिक होते हुए भी गलत है, मानवता का विरोधी है। लेखक के शब्दों में– "ऐसे धार्मिक और दीनदार आदमियों से तो वे ला–मजहब और नास्तिक आदमी कहीं अच्छे और ऊँचे हैं, जिनका आचरण अच्छा है, जो दूसरों के सुख–दुख का ख्याल रखते हैं और मूर्खों को किसी स्वार्थ–सिद्धि के लिए उकसाना बहुत बुरा समझते हैं।"

अथवा

महादेव भाई की तुलना किससे की गई है और क्यों?

उत्तर : महादेव भाई जो गाँधी जी के निजी सहायक थे, की तुलना शुक्र तारे से की गई है। क्योंकि जैसे शुक्र तारा आकाश में सबसे चमकीला होता है। वह कुछ क्षणों के लिए ही आकाश में चमकता है और फिर दिखाई नहीं देता। उसी प्रकार महादेव देसाई भी कुछ वर्षों के लिए दुनिया में आए और सबकों अपनी प्रतिभा से प्रभावित करके जल्दी ही इस संसार से विदा हो गए। उनकी प्रतिभा के कारण ही गाँधी जी ने उन्हें अपना निजी सचिव ही नहीं, बल्कि अपना उत्तराधिकारी भी मान लिया था। वे गाँधी जी की भावना अच्छी तरह समझते थे। इसलिए गाँधी जी की भावना एवं उनके शब्दों को ज्यों का त्यों समझते व लिखते थे। उनका हस्तलेख और पत्र का प्रारूप इतना सुन्दर और सधा हुआ होता था कि बड़े–बड़े वायसराय भी उन्हें देखकर ललचा जाते थे। महादेव भाई की प्रतिभा की चमक हर व्यक्ति के मन को चमत्कृत कर देती थी।

10. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए। 5

1. कवि रैदास ने भक्त और भगवान के अटूट संबंध को किन उदाहरणों द्वारा समझाया है? 2

उत्तर : कवि रैदास ने भक्त और भगवान के अटूट संबंध को निम्न उदाहरणों के माध्यम से समझाया है– प्रभु चंदन है तो रैदास पानी है। प्रभु वन है तो भक्त मोर है। प्रभु दीपक हैं तो रैदास बाती हैं। प्रभु मोती हैं तो रैदास धागा हैं।

2. रहीम ने प्रेम रूपी धागे की क्या विशेषता बताई है? 2

उत्तर : रहीम ने बताया है कि प्रेम रूपी धागा अटूट होना चाहिए। उसमें किसी प्रकार की गाँठ या दुर्भावना नहीं आनी चाहिए।

3. आदमी की 'पगड़ी उतारने' से नजीर का क्या आशय है? 1

उत्तर : आदमी की 'पगड़ी उतारने' से नजीर का आशय है– आदमी को अपमानित करना।

11. 'आदमीनामा' कविता के आधार पर आदमी के उस रूप का वर्णन कीजिए जिसने आपको सर्वाधिक प्रभावित किया? 5

उत्तर : 'आदमीनामा' कविता में आदमी के जिस रूप ने मुझे सर्वाधिक प्रभावित किया वह है, उसका उच्च मानवीय वाला रूप। ऐसा आदमी ऊँच–नीच का भेद–भाव किए बिना मनुष्य पर जान न्योछावर करता है। वह सबको सम्मान देकर व समान मानकर उनसे प्रेम करता है। वह मनुष्य की भलाई के लिए सदा परोपकार करता है और किसी संकटग्रस्त आदमी की पुकार सुनते ही उसकी मदद करने के लिए चल पड़ता है और उसे संकटमुक्त करने का हर संभव प्रयास करता है।

अथवा

अग्निपथ के मुसाफिर को क्या शपथ लेनी चाहिए और क्यों?

उत्तर : अग्निपथ के मुसाफिर को जीवन में संघर्ष के रास्ते पर निरन्तर आगे बढ़ते रहने की शपथ लेनी चाहिए। तभी वह अपने लक्ष्य पर पहुँच पाएगा। निरंतर चलते रहने से थकावट भी होती है, कष्ट भी होता है और चोट भी लगती है। इन विपरीत परिस्थितियों में अग्निपथ के मुसाफिर संघर्षपथ को छोड़ कर किनारे बैठ जाते हैं। कवि उसे प्रेरणा देता है कि वह निरन्तर चलता रहे। इस प्रकार वह जीवन संघर्ष से थकेगा नहीं। चाहे अनगिनत कठिनाइयाँ उसे घेर लें। परन्तु वह जीवन रूपी पथ पर चलकर अपनी मंजिल को प्राप्त करेगा।

12. ''सच बोलकर पिटने के भावी भय और झूठ बोलकर चिट्ठियों के न पहुँचने की जिम्मेदारी के बोझ से दवा मैं बैठा सिसक रहा था''। स्मृति पाठ के आधार पर सच और उत्तरदायित्व निभाने के महत्त्व पर प्रकाश डालिए। 3

उत्तर : सच बोलना और जिम्मेदारी निभाना– ये अत्यन्त महत्त्वपूर्ण गुण हैं। लेखक बचपन में बहुत ही लापरवाह और मस्त था। यदि वह झूठ बोल सकता तो अपने बड़े भाई से पिटने से बच सकता था। अगर वह जिम्मेदार न होता तो चिट्ठियाँ कुएँ में छोड़ कर आ जाता। परन्तु उसमें ये दोनों गुण थे। न तो वह सच को छोड़ सकता था, न भाईसाहब को झूठ–मूठ बहका सकता था। वह दी गई जिम्मेदारी को बीच में नहीं छोड़ सकता था। इन्हीं विशेषताओं ने उसे पहले तो निराश किया। बाद में इन्हीं के कारण वह कुएँ में उतरने के लिए तैयार हो गया और बाद में उसने साहस का जो कारनामा किया, वह इन्हीं गुणों के कारण किया।

अथवा

'दिये जल उठे' पाठ द्वारा यह कैसे सिद्ध होता है कि 'कैसी भी कठिन परिस्थिति हो उसका सामना तात्कालिक सूझबूझ और आपसी मेलजोल से किया जा सकता है।' उत्तर अपने शब्दों में लिखिए।

उत्तर : इस पाठ से सिद्ध होता है कि किसी भी कठिन परि. स्थिति को आपसी सूझ–बूझ और मेल–जोल से निपटाया जा सकता है। गाँधीजी अपनी दांडी यात्रा पर थे। उन्हें माही नदी पार करनी थी। ब्रिटिश सरकार ने नदी के तट से सारे नमक के भंडार हटा दिए थे। जब गाँधीजी कनकपुर पहुँचे तो एक घंटा देर हो गई इसलिए गाँधीजी ने नदी को आधी रात में समुद्र में पानी चढ़ने पर पार किया ताकि कीचड़ और दलदल में कम चलना पड़े। तट पर अँधेरा था इसके लिए लोगों ने सूझबूझ से काम लिया और थोड़ी ही देर में हजारों दिए जल गए। इस तरह अँधेरा मिट गया। दूसरे किनारे पर भी इसी तरह लोग हाथों में दिए लेकर खड़े थे। गाँधीजी के मिलन और सूझबूझ ने कठिन परिस्थिति पर काबू पाकर लोगों के हृदय मे स्थान बना लिया।

13. गिल्लू की किन चेष्टाओं से यह आभास मिलने लगा था कि अब उसका अंत समय समीप है? 2

उत्तर : जब गिल्लू का अंत समय आया, तो उसने खाना–पीना छोड़ दिया और वह घर से बाहर भी नहीं गया। गिल्लू अपने अंतिम समय में झूले से उतरकर लेखिका के बिस्तर पर निश्चेष्ट लेट गया। उसके पंजे पूरी तरह ठंडे पड़ चुके थे। वह रात भर लेखिका की ऊँगली पकड़े रहा और सवेरा होने तक वह सदा के लिए मौत की नींद सो गया।

खण्ड–घ (लेखन) 25

14. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर 80–100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए। 5

1. **आज का युवा संसार।**
   • युवाओं में अदम्य साहस व शक्ति • जागरूकता • देश के प्रति प्रेम।
2. **संयुक्त परिवार–आज की आवश्यकता।**
   • युवा पीढ़ी को रिश्तों का ज्ञान • मिल–जुलकर रहने की भावना • अच्छे संस्कारों का ग्रहण • बुजुर्गों की उपस्थिति व महत्ता • अकेलेपन से मुक्ति।
3. **जीव–जंतु और मानव।**
   • सहज संबंध • उपयोगिता • सुझाव

उत्तर :

1. आज का युवा संसार

आज के युग को अगर युवाओं का युग कहा जाए तो कुछ गलत न होगा, क्योंकि आज के युवाओं का जीवन के हर क्षेत्र में सशक्त प्रभाव है। वे अदम्य साहस और शक्ति से युक्त हैं। इसी के बल पर वे जो चाहते हैं, जैसा चाहते हैं, करते हैं। उनकी पहुँच के बाहर कोई भी चीज नहीं है। हम इसका प्रमाण हर जगह देखते हैं। इसके साथ ही हम उनमें जागरूकता के भी दर्शन करते हैं। यह उनकी जागरूकता का ही प्रभाव है कि आज कोई भी उनको धोखा नहीं दे सकता। इसी जागरूकता के कारण वरिष्ठ पीढ़ी उनके मुकाबले अपने को कई मामलों में कमतर पाती है। पुरानी पीढ़ी इसी कारण कई मामलों में युवा पीढ़ी से कुछ सीखने से भी गुरेज नहीं करती है। इस पीढ़ी में देशप्रेम की भी भावना है, जिसके दर्शन हमें समय–समय पर होते हैं।

2. संयुक्त परिवार–आज की आवश्यकता

संयुक्त परिवार को यदि आज की आवश्यकता कहा जाए तो गलत न होगा। ऐसे परिवार में मिल–जुलकर रहने की भावना की प्रधानता होती है। इसमें सभी लोग एक–दूसरे का सहारा बनते हैं। लेकिन आधुनिक समय में ऐसे परिवार का चलन कम हो गया है, जिससे कई प्रकार की समस्याएँ पैदा हो रही हैं। इससे आज की युवा पीढ़ी का ध्यान इसके समाधान की ओर गया है। उसे लगता है कि संयुक्त परिवारों का टूटना अच्छे संस्कारों पर ग्रहण लगने के समान है। अतः इस परंपरा को पुनर्जीवित करना जरूरी है, जिससे बुजुर्गों की समस्याओं का समाधान हो सके, उन्हें अकेलेपन से मुक्ति मिल सके तथा उनकी महत्ता पुनः स्थापित हो सके।

3. जीव–जंतु और मानव

जीव–जंतु और मानव में अत्यंत निकट का संबंध है। वास्तव में दोनों मूलतः एक हैं। दोनों जीव हैं। दोनों में जीवन है। कुछ लोग यह भी मानते हैं कि मनुष्य मूलतः पशु है अंग्रेजी की एक कहावत बहुत प्रसिद्ध है– मैन इज ए सोशल एनिमल। मनुष्य एक सामाजिक प्राणी (जंतु/पशु) है। मनुष्य में पशु होने के सब तत्व हैं। वह पशु से ऊपर उठकर कुछ और गुणों से संपन्न है। इसलिए वह सभी प्राणियों में सर्वश्रेष्ठ कहा जाता है। जब यह सत्य है कि मनुष्य और जंतु मूलतः एक हैं तो उनमें एक सहज संबंध स्थापित हो जाता है। दोनों एक–दूसरे के लिए अनिवार्य हो जाते हैं। दोनों को एक–दूसरे के लिए उपयोग कहना संबंधों का अपमान करना है यदि उपयोग को अच्छे अर्थ में लिया जाए तो हम कह सकते हैं कि दोनों एक–दूसरे के लिए बहुत उपयोगी हैं अतः मनुष्य को चाहिए कि वह अन्य जीव–जंतुओं को अपने से तुच्छ या अधम न माने अपितु उन्हें ईश्वर की इस सृष्टि का एक आवश्यक अंग माने तथा उनकी रक्षा और सुविधा के लिए भी प्रयत्न करें।

15. छोटे भाई को अच्छे स्वास्थ्य का महत्त्व बताते हुए पत्र लिखिए। 5

उत्तर :

98/C, पालनपुर
गुजरात।
दिनांक : 25 अगस्त, 2019
प्रिय अभिषेक,

आशा है तुम आनन्द से होगे। मुझे पिताजी ने बताया था कि पिछले दिनों तुम अस्वस्थ थे। अब कैसे हो, सूचना देना। भाई, स्वास्थ्य हमारा सबसे बड़ा धन है, इसलिए इस सम्बन्ध में लापरवाही उचित नहीं। तुमने पाठ्य–पुस्तकों में पढ़ा होगा कि संतुलित भोजन, समुचित व्यायाम और स्वस्थ जीवन शैली अपनाकर व्यक्ति स्वस्थ रह सकता है। इसलिए अपने खान–पान का उचित ध्यान रखना और समय पर अपना कार्य करना। सुबह–शाम टहलना और ज्यादा श्रम से बचना। पढ़ाई के साथ–साथ खेलकूद पर भी पर्याप्त ध्यान देना।

आशा है, तुम मेरी सलाह पर गौर करोगे और स्वस्थ दिनचर्या अपनाओगे।

तुम्हारा शुभेच्छु
राकेश

अथवा

बड़े भाई की शादी में मित्र को आमंत्रित करते हुए पत्र लिखिए।

उत्तर :

G/74, कमला विहार,
सूर्य नगर, दिल्ली।
दिनांक : 10 अप्रैल, 2019
प्रिय राम,
स्नेह!

आशा है तुम आनन्द से होंगे। विशेष बात यह है कि आगामी 28 अप्रैल, 2019 को मेरे बड़े भैया रविशंकर का शुभ विवाह होने जा रहा है। मेरे भाईसाहब एन.टी.पी.सी. में इंजीनियर हैं। मेरी होने वाली भाभी भी सुशिक्षित हैं। विवाह निकट है, इसलिए घर में चहल–पहल शुरू हो गई है।

मैं इस शुभ अवसर पर तुम्हें सप्रेम आमंत्रित कर रहा हूँ। विवाह का निमंत्रण–पत्र भी भेजूँगा। तुम निश्चित

तिथि से दो दिन पूर्व ही आ जाना। तुम्हारे आने से मुझे अतीव खुशी होगी।

मैं तुम्हारी प्रतीक्षा करूँगा। अपने माता–पिता को मेरा अभिवादन कहना।

तुम्हारा परम मित्र
नीरज

16. दिए गए चित्र का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए। 5

उत्तर : इस चित्र में एक गाँव दिखाई दे रहा है। चारों तरफ हरे–भरे खेत दिखाई दे रहे हैं। एक नदी बह रही है। बड़े–बड़े पेड़ लगे हैं। दो झोपड़ी दिखाई दे रही हैं। एक आदमी बैलगाड़ी पर जा रहा है। किसान खेत में काम कर रहा है।

अथवा

उत्तर : इस चित्र में एक विशाल मस्जिद दिखाई दे रही है। सैकड़ों मुस्लिम पुरूष एवं बच्चे नमाज पढ़ रहे हैं। कुछ बच्चे गले मिल रहे हैं। वे एक–दूसरे को ईद की मुबारकबाद दे रहे हैं। मस्जिद में अमीर–गरीब, छोटे–बड़े सब समानरूप से भाग ले रहे हैं।

17. सिद्धार्थ और दुकानदार के बीच संवाद लिखिए। 5

उत्तर :

सिद्धार्थ– यह चिमटा कितने का है?

दुकानदार– यह तुम्हारे काम का नहीं है जी।

सिद्धार्थ– बिकाऊ है कि नहीं?

दुकानदार– बिकाऊ नहीं होता तो यहाँ क्यों लाते?

सिद्धार्थ– तो बताओ कै पैसे का है?

दुकानदार– छः पैसे लगेंगे।

सिद्धार्थ– ठीक बताओ।

दुकानदार– ठीक–ठीक पाँच पैसे लगेंगे, लेना हो तो लो, नहीं तो चलते बनो।

सिद्धार्थ– तीन पैसे लोगे?

दुकानदार– ठीक है, यह लो।

अथवा

पड़ोसी और सोहन काका के बीच संवाद लिखिए।

उत्तर :

पड़ोसी– यह पिल्ला कब पाला, सोहन काका?

सोहन काका– अरे भैया, मैंने काहे को पाला। यहाँ अपने ही पेट का ठिकाना नहीं। रात में न जाने कहाँ से आ गया।

पड़ोसी– आप इसे पाल लो, काका।

सोहन काका– इसे पालकर करेंगे क्या?

पड़ोसी– काका! आपकी कोठरी की रखवाली करेगा।

सोहन काका– कोठरी में कौन–सा खजाना गढ़ा है, जो रखवाली करेगा।

पड़ोसी– आपका एक साथी हो जाएगा, जिससे बात करते रहना। इसके खाने के लिए तो सभी से कह दूँगा, रोटी दे दिया करेंगे।

सोहन काका– फिर तो ठीक है।

18. 'सरल हिंदी' कक्षा– नौ से बारह तक के विद्यार्थियों के लिए सर्वाधिक उपयोगी सहायक पुस्तकें हैं। एक विज्ञापन तैयार कीजिए। 5

उत्तर :

सरल हिंदी *सहायक पुस्तकें*
परीक्षा के लिए सर्वोत्तम सहायक सामग्री! **सी.बी.एस.ई. की कक्षा 9, 10 11 तथा 12वीं के लिए अत्यंत उपयोगी** ♦ गत १० वर्षों के हल प्रश्नपत्रों सहित! ♦ पाठ्यक्रम में हुए नवीनतम संशोधनों के अनुसार ♦ भाषा और स्तर विद्यार्थियों के लिए सर्वथा उपयुक्त
आपकी सफलता हेतु सर्वोत्तम कुँजी आपके लिए उपलब्ध है।

अथवा

जयपुर में गर्मियों की छुट्टी में नृत्य सिखाने का संस्थान कत्थक–केन्द्र खुला है। एक विज्ञापन तैयार कीजिए।

उत्तर :

नृत्यम् विद्यालय, जयपुर

नृत्य–विशेष प्रशिक्षण

कत्थक, ओडिसी, भरत नाट्यम्, गिद्धा, राजस्थानी तथा बैले!

अकेले अथवा समूह में
सीखकर अपने व्यक्तित्व को निखारिए!
जीवन में चार चाँद लगाइए!

- **एक मास में नृत्य सिखाने की गारंटी!**
- **होनहार छात्रों को मंच पर प्रस्तुति का भी अवसर दिया जाएगा!**
- **कुशल नर्तकों द्वारा प्रशिक्षण!**
- **उचित फीस के साथ।**

सम्पर्क सूत्र– 9960074156,

WWW.CBSE.ONLINE

Download unsolved Version of this solved paper from www.cbse.online

This sample paper has been released by website www.cbse.online for the benefits of the students. This paper has been prepared by subject expert with the consultation of many other expert and p aper is fully based on the exam pattern for 2019-2020. Please note that website www.cbse.online is not affiliated to Central board of Secondary Education, Delhi in any manner. The aim of website is to provide free study material to the students.